और कार्यपालक सहायक शामिल रहे।

शुक्रवार को कैप्टन आलोक को सम्मानित करते समाजसेवी व अन्य।

जैव विविधता को विनाश से बचाना है जरूरी : निदेशक

बेतिया,हमारे प्रतिनिधि । पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा शुक्रवार को होटल जॉली ग्रांड के सभागार में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें ग्राम पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर गठित जैव विविधता से जुड़े पंचायत समिति के अध्यक्ष व सदस्यों को पीपीटी के माध्यम से आवश्यक जानकारी दी गई।

शुक्रवार को कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि हेमकांत राय व अन्य।

मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य जैव विविधता के संयुक्त निदेशक हेमकांत राय ने शिरकत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जैव विविधता का व्यापक स्वरूप है जिसको पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर प्रबंधन के माध्यम से बेहतर किया जा सकता है। इस प्रकार की यह पहली बैठक है । राज्य भर में अब तक 8058 पंचायत को इससे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है जो लगभग पूरा कर लिया गया है। सिर्फ कुछ ही पंचायत शेष बचे हैं। प्रथम चरण में जिला और अनुमंडलस्तर पर 94 कार्यशाला का आयोजन करना है। बायोडायवर्सिटी ऐप भी बनाया गया है। जैव विविधता का विकास करना और उसके विनाश को रोकने पर बल दिया जाएगा। जैव विविधता के अत्यधिक शोषण को भी रोकना होगा। कहा कि पहले हमारे आसपास इमली, कटहल और जलेबी का पेड़ हुआ करता था लेकिन यह विलुप्ति के कगार पर है। इसके बहुआयामी दुष्परिणाम है। जिस किसी पंचायत से किसी प्रकार की जड़ी-बूटी अथवा हर्ब का इस्तेमाल किया जा रहा है तो उससे होने वाले लाभ में उस पंचायत के लोगों की भी भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने इसे इक्विटेबल शेयरिंग की संज्ञा देते हुए इसके बारे में जानकारी दी। कहा कि एक समय ऐसा था हम देसी गाय के दूध पर आश्रित थे ,धीरे-धीरे अन्य नस्ल की गाय का दूध हम इस्तेमाल करने लगे जिससे बीमारियों की चपेट में आ गए । सभी तालाब भर रहे हैं। मछलियां मर रही है। सफाई भी नहीं हो रही है व जैव विविधता से जुड़े खाद्य श्रृंखला पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कार्यक्रम में चनपटिया जिला पर्षद अजय कुमार, जैव विविधता पर्षद बेतिया के अध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद यादव व विजय कुमार पांडेय ने हिस्सा लिया। पर्यावरणविद संजय कुमार, रेमो पीटर, नीतीश कुमार व मनोज कुमार को सम्मानित किया गया।

प्रबंधन समिति की उपयोगिता पर डाला प्रकाश

डीएफओ आतिश कुमार ने अपने संबोधन से कार्यक्रम की शुरुआत की और सेमिनार की बारीकियां पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई कारगर जानकारी दी। उपनिदेशक मिहिर कुमार झा ने भी जैव विविधता प्रबंधन और कार्यशाला की बारीकियां से अवगत कराया। पंचायत से आए लोगों से बातचीत भी की और प्रबंधन समिति की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उद्यान पदाधिकारी राजू राउत ने कहा कि हम सभी अपने घर पर भी एक छोटी बागवानी कर जैव विविधता के मामले में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने आइसएआर अर्थात इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चरल रिसर्च से कई प्रकार के बीज मंगा कर घर घर ही छोटी बगिया अर्थात मिनी डाइवर्सिटी तैयार करने का भी सुझाव दिया।